RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 30 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 1 जनवरी 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

टनकपुर में दिखेंगे परिणाम

सीएम कैम्प कार्यालय की निगरानी चारों ओर

कार्यालय प्रतिनिधि

प्रदेश के मुखिया सीएम पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र में चम्पावत में विकास का पैमाना क्या चल रहा है और आगे क्या होने वाला है, इस बात को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में सबका ध्यान सीएम कैम्प कार्यालय पर रहता है। श्री धामी ने भी हालातों को जानते हुए चम्पावत और टनकपुर में कैम्प कार्यालय बनवाए, जो चारों ओर निगरानी रखे हुए हैं। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में बेहतन परिणाम दिखाई देंगे। मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय के नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल लगातार क्षेत्र की तमाम समस्याओं पर नजर रखे हुए हैं और तुरन्त समाधान के लिये तत्पर हैं। उनका कहना है कि किसी भी सन्देह नहीं होना चाहिये क्योंकि जिस प्रकार से इस विधानसभा की ओर सीएम का ध्यान है यह आदर्श विधानसभा के रूप में विकसित हो

रही है। टनकपुर में 5590.70 लाख की लागत से बनने वाले रोडवेज टर्मिनल, डिपो वर्कशॉप बिल्डिंग, रीजनल वर्कशॉप बिल्डिंग और टायर शॉप सहित कई कार्य होने हैं। यहाँ होने वाले कार्यों पर मुख्ययंत्री स्वयं निगरानी रखे हुए हैं और उनके निर्देश हैं कि बेहतर बनाने की दिशा में कोई कमी न रहे।

इस बीच टनकपुर में पुस्तक मेले का उद्घाटन करने पहुँचे मुख्यमंत्री ने कहा कि बुके की जगह बुक परम्परा शुरु हो। सीएम ने आईएसबीटी के संचालन से 42 सीटर वॉल्वो बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया और कहा भारत के साथ-साथ नेपाल के यात्रियों को इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में नए शहरों के विकास और पलायन वापसी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन योजना में निर्माणाधीन 11 रेलवे स्टेशन वाले स्थानों और इनके निकटस्थ क्षेत्रों को विकसित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि टनकपुर प्रदेश के पुराने शहरों में से है, पूर्णागिरी धाम के कारण सम्पूर्ण उत्तर भारत का बड़ा मेला भी यहाँ लगता है। ऐसे में प्रदेश के मुखिया की पहल यदि रंग लाती है तो वह दूरगामी परिणाम होगा। टनकपुर सीएम कैम्प में नोडल श्री बृजवाल के साथ प्रतिनिध दीपक रजवार, प्रशासनिक अधिकारी राजपाल चौहान, जीवन सिंह नेगी, वरिष्ठ सहा. शशांक पाण्डे, श्याम सिंह ज्याला, कुन्दन सिंह जनसमस्याओं को देख रहे हैं।

सरकार! मूल निवास मुद्दे पर जागना ही होगा

उत्तराखण्ड में सशक्त भू-कानून और मूल निवासी के मुद्दे पर सरकार को बहुत सुनना पड़ रहा है। अतिउत्साहित होकर सूबे के मुखिया पुष्कर सिंह धामी व उनकी सरकार द्वारा जिस प्रकार से निर्णय लिया गया, उसके खिलाफ देहरादून में हुई महारैली ने यह बता दिया है कि पर्वतवासी चुप हैं इसका मतलब यह नहीं की सरकारें जो चाहें वह लागू हो जाए। जनता की आवाज पर विपक्ष को बड़ा अवसर मिल चुका है। कांग्रेस सहित सभी विपक्षी इसके लिये सरकार को घेर रहे हैं। हालांकि भाजपा नेता व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट कह रहे हैं कि हमारी सरकार राज्य निर्माण की मूल अवधारणा को लेकर कटिबद्ध है।

उत्तराखण्ड क्रान्ति दल के मुख्य नेता काशी सिंह ऐरी कहते हैं कि मूल निवास और सशक्त भू-कानून लागू न किया गया तो पहाड़ के मूल निवासी अल्पसंख्यक और आने वाली पीढ़ियां भूमिहीन हो जाएंगी। जनभावनाओं को देखते हुए सरकार को इस मसले पर उचित कदम उठाना चाहिये। देहरादून में हुई महारैली जनता की आवाज है, सरकार इसे समझ ले।

कामरेड पुरुषोत्तम शर्मा ने आक्रोश जताते हुए कहा है कि पहाड़ व उत्तराखण्ड की तबाही के लिये वो सरकारें ही जिम्मेदार हैं जिनके मुख्यमंत्री पहाड़ मूल के हैं। मुद्दों को भटकाने और कारपोरेट लूट की नीतियों को प्रोत्साहन इस प्रदेश को बर्बादी की ओर ले जाने वाला है।

लोक कलाकारों ने बदरीनाथ के गरुड़गंगा से भी इस मुद्दे पर सरकार से सवाल उठाए। लोकगायक नरेन्द्र नेगी के नेतृत्व में मूल निवासी और भू-कानून के लिये सभी उत्तराखण्डियों से जागरुक रहने की अपील की।

'मूल निवासी स्वाभिमान महारैली' में उक्रांद, राज्य आन्दोलनकारी, पूर्व सैनिक संगठन व सभी विपक्षी दल जुटे। उत्तराखण्ड में मूल निवासी लागू किए जाने और इसकी कट ऑफ डेट 26 जनवरी 1950 घोषित किए जाने के साथ ही सशक्त भू कानून लागू किये जाने की मांग आग की तरह फैली हुई है। इस आन्दोलन ने पृथक राज्य आन्दोलन की याद दिला दी है। ऐसे में सरकार पर भारी दबाव तो है ही।

जलवायु आधारित कृषि पर नवाचार करने वाले महिला समूह होंगे सम्मानित

मुनस्यारी। ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना (रिप) के तत्वावधान में जलवायु आधारित कृषि विषय पर आयोजित दो दिनी कार्यशाला का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने करते हुए कहा कि जलवायु आधारित कृषि पर जो महिला स्वयं सहायता समूह नवाचार करेगा, उसे जिला पंचायत द्वारा सम्मानित किया जाएगा। विकास खण्ड सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में नारी शक्ति कलस्टर दरकोट की चयनित 20 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया।

उन्होंने कहा कि हमें जलवायु पर आधारित खेती करने के लिए आगे आना होगा। तभी हम कृषि से अपनी आजीविका को आगे बढ़ा सकते है। उन्होंने कहा कि परियोजना द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह के महिलाओं को जलवायु आधारित कृषि के बारे में जानकारी दी जा रही है, यह समय की मांग है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला स्वयं सहायता समूह को विकासखण्ड तथा रेखीय विभागों के द्वारा विशेष सहायता दी जाएगी। इसके लिए ग्राम सभा स्तर पर कार्य योजना बनाई जाएगी। उन्होंने प्रत्येक घर के आगे किचन गार्डन बनाने के लिए आगे आने का आह्वान किया। कहा कि इसके लिए मनरेगा के तहत भूमि सुधार योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत सहायता दी जाएगी। खण्ड विकास अधिकारी प्रेम राम ने बताया कि विकासखंड कार्यालय जलवायु आधारित कृषि करने वाले महिला स्वयं सहायता समूह को भरपूर सहयोग देगी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आजीविका समन्वयक हरेन्द्र सिंह पंवार ने कार्यक्रम के उद्देश्य बताते हुए कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के कौशल विकास के लिए इस प्रशिक्षण को आयोजित किया गया है।

'उज्याव' भाषा व सम्मान समारोह नई उम्मीद है

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी महानगर में 'उज्याव' कुमाउनी भाषा युवा सम्मेलन व युवा सम्मान समारोह ने नई उम्मीद जगाई है। दरअसल दिन-प्रतिदिन सम्मेलन-समारोह के नाम पर जिस प्रकार की रील व रेल चारों ओर देखी जा रही है उसमें अपनी भाषा-संस्कृति के लिये स्थान के बजाय नकल परोसा जा रहा है। काफी समय बाद 'उज्जाव' नाम से नवप्रकाश/नया उजाला दिखाई दे रहा है।

'उज्जाव' के इस प्रथम कुमाउंनी भाषा के पहले युवा सम्मेलन का शुभारम्भ मंगल गीत शगुन आखर और सरस्वती वन्दना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर.जे. काव्य ओहो रेडियो, एडवोकेट ललित खाती थे। संस्था के अध्यक्ष दीपक भाकुनी ने इस युवा सम्मेलन की रूपरेखा रखते के साथ ही कुमाउंनी भाषा के बारे में युवाओं और बच्चों को कुमाउंनी बोलने के लिए प्रेरित किया।

आर.जे. काव्य ने अपनी भाषा को अधिक से अधिक बोलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की जिन्दगी में हमें अपनी दुदबोलि को इस्तेमाल करना होगा तभी यह भाषा संरक्षित रहेगी और पीढ़ी दर पीढ़ी पहुँचेगी। उन्होंने कहा कि जब बाहर के लोग अपने त्योहारों को हमारे राज्य में आकर मना सकते हैं तो क्यों न हम देहरी में फूल डालने का बच्चों का त्योहार फूलदेई एनसीआर दिल्ली में क्यों नहीं कर सकते हैं।

उज्याव कुमाउनी भाषा की ओर से युवाओं में अमित भट्ट को कुमाउंनी भाषा प्रचार प्रसार के लिए, हर्षवर्धन जोशी को कुमाउंनी लेखन, शिवांशु मेहता को कुमाउंनी लोकगीत, गणेश भट्ट को कुमाउंनी भाषा प्रचार प्रसार, दीपक मेहरा को कुमाउंनी भाषा व संस्कृत प्रचार, मीनाक्षी खाती एपण गर्ल एपण कला, चेतन काण्डपाल कुमाउंनी भाषा प्रचार प्रसार, मनोरमा सुयाल को कुमाउंनी स्वरोजगार उत्पाद, भावना चुफाल को कुमाउंनी भाषा प्रचार प्रसार, रिया नगरकोटी को कुमाउंनी लेखन, सम्पादक मण्डल में कुमगढ़ मासिक पत्रिका के दामोदर जोशी (देवांशु) पहरू पत्रिका के डॉ. हयात सिंह रावत, आदलि कुशलि मासिक पत्रिका की डॉ. सरस्वती कोहली दुदबोलि पत्रिका के चारु तिवारी, कूर्मांचल अखबार साप्ताहिक के चन्द्र प्रकाश फुलोरिया, बाल प्रहरी के उदय किरोला को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर धीरेश जोशी की किताब श्रद्धांजलि, प्रदीप उपाध्याय की भक्ति और श्रृंगार की होलियां की, गोविन्द बल्लभ बहुगुणा अखिल दशक उत्तराखण्ड कुमाऊनी रिपोतार्ज डॉ. दीपा गोबाडी की सुहाना सफर, कृष्णानन्द चन्दोला की कुमाउंनी बोली पहाड़ बेटी पलायन किताबों का विमोचन किया गया। घुघुती जागर टीम और राजन डाला पार्टी द्वारा लोकगीत प्रस्तुत किए गए। युवा गायक शिवांशु मेहता ने लोकगीत प्रस्तुत कर मन मोह लिया। मुख्य अतिथि ललित खाती ने अपने सम्बोधन में कहा कि

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

पुस्तक मेले के आगे-पीछे

उत्तराखण्ड में 'कौतिक' नाम से चल रही बाढ़ का सच यही निकल रहा है कि किसी जगह विशेष पर मंच सजाकर नाच-गीत-स्टाल और अतिथि सत्कार हो जाए। इस सीधे से फार्मूले को जगह-जगह अपनाया गया और बेहिसाब कौतिक लगातार होने लगे हैं। इसमें भीड़ जमा करने के लिये वह तरतीब लगाई जा रही है जिससे युवा आसानी से जमा हो जाएं। कौतिकों के ऐसे जुनून के अलावा पिछले साल से एक और आयोजन सर चढ़ कर बोल रहा है, वह है- 'पुस्तक मेला'। देखने-सुनने में यह बहुत अच्छा लगता है। उम्मीद भी है कि जब बच्चे मोबाइल में उलझे हैं और युवा अपने में मस्त हैं, ऐसे में पुस्तक मेला बच्चों और युवाओं को पुस्तकों से जोड़ने में महा अभियान है। ऐसे मेले के लिये सकारात्मक पहल अपने-अपने स्तर से लोगों और संस्थाओं ने की है।

अभी तक के परीक्षण से पता चलता है कि पुस्तक मेला होने से बहुत सारे लोगों का ध्यान इस ओर है लेकिन इस बात की भी भनक रखी जा रही है कि पुस्तक मेले के स्टाल में किस प्रकार का साहित्य है और किस प्रकार की गतिविधियां हो रही हैं। अभी तक कई स्थानों पर पुस्तक मेले हुए हैं लेकिन चर्चा टनकपुर पुस्तक मेले से ज्यादा होने लगी। इसके पीछे कारण है पिछली बार हुए पुस्तक मेले के उद्घाटन से ठीक पहले उपजिलाधिकारी का स्थानान्तरण होना। स्थानान्तरण के बाद लोगों में रोष को देखते हुए जैसे तैसे स्थितियों को संभाला गया और सीएम पुस्तक मेले में पधारे। इस बार बालिका इण्टर कालेज में द्वितीय पुस्तक मेले का शुभारम्भ भी सीएम ने किया। सरकार और संगठन की मजबूती पूरे टनकपुर में दिखाई दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के के काफिले के साथ कई संकेत इसमें हैं। दूसरी ओर पुस्तकों से लगाव रखने वालों का मोह भी आयोजन में रहा।

समाज को जोड़ने, समझने, पढ़ने-पढ़ाने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने, सुलझे समाज को तैयार करने की दिशा में यह आयोजन देखा जाना चाहिये। यदि किसी भी प्रकार से ऐसे मेलों में राजनीतिक झण्डे-डण्डे का प्रयोग हो तो उसे पुस्तक मेले के आगे-पीछे की घटना मान कर संयम बरतना होगा।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

इजराइल जाएंगे भारतीय मजदूर

इजराइल के चयनकर्ताओं की एक टीम ने भारत आकर भारतीय मजदूरों की भर्ती अभियान चलाया है। ये मजदूर इजराइल में निर्माण उद्योग की भारी कमी की पूर्ति के लिये चयनित हो रहे हैं। बताया गया है कि फिलहला दस हजार लोगों को इजराइल ले जाएंगे, बाद में यह संख्या तीस हजार तक होगी।

डोनाल्ड ट्रंप को अयोग्य घोषित किया

अमेरिकी राज्य कोरोराडो के सुप्रीम कोर्ट ने कैपिटल हिल के दंगे के चलते डोनाल्ड ट्रम्प को इस राज्य में अगले साल राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया। साथ ही राज्य के प्राथमिक बैलेट से राष्ट्रपति चुनाव के रिपब्लिक उम्मीदवार ट्रम्प का नाम हटाने का आदेश दिया है।

जेल में बन्द इमरान तीन सीटों पर लड़ेंगे

जेल में बन्द पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान आगामी चुनाव में कम से कम तीन निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे। उनकी पार्टी पीटीआई पार्टी ने ऐलान किया है कि चुनाव पूरी ताकत से लड़ा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले में संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के केन्द्र सरकार के फैसले को बैध करार दिया। कोर्ट ने कहा, अनुच्छेद 370 अस्थायी प्रावधान था। जम्मू कश्मीर के भारत में विलय और 25 नवम्बर 1949 को भारत के संविधान को अंगीकार करने के बाद जम्मू कश्मीर राज्य में सम्प्रभुता का कोई तत्व बरकरार नहीं रहा।

कोरोना से बचाव को एहतियाती कदम

कोरोना वायरस के उप-स्वरूप जेएन.1 को देखते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यों से सतर्क रहने को कहा है। राज्य कोरोना के मामलों, उप-स्वरूप जेएन1 उनके लक्षणों पर नजर रखने व ऐहतयाती कदम को कहा है।

भारत विरोधी तत्वों पर कार्रवाई करे कनाडा

विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा भारत का प्रमुख मुद्दा उस देश में सक्रिय भारत विरोधी तत्वों को दी गई जगह को लेकर है। उम्मीद जताई कि वह भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

भारत हमेशा अफगान के साथ

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रूचिरा कंबोज ने अफगानिस्तान के लोगों के प्रति देश की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

फसक

दाज्यू, गारन्टी तो सभी देने वाले ठैरे

खवाई-पिवाई के बाद राक्षस्योव हो रही है बल

दाज्यू, मोदी ज्यू भारत को विश्व गुरु बनाने की जिद कर रहे हैं। बहुत आगे तक का मिशन बता रहे हैं। कहते हैं- 'अगली पारी में देश दुनिया की तीसरी आर्थिक शक्ति बनेगा।' दाज्यू, शिवदा भी तीसरी ताकत की बात कर रहे हैं। हमारी समझ नहीं आ रहा है कि जब चारों ओर हकाहाक मची हुई है, क्या जो होगा। दाज्यू, गारन्टी तो सभी देने वाले ठैरे। लोक सभा हो या विधानसभा नेता चंण-चंण करने लगे हैं। राज्यसभा और लोकसभा के सदस्यों के निलम्बन का मामला भी सबने देखा-सुना। खवाई-पिवाई के बाद राक्षस्योव हो रही है बल। धरखड़ सैप की मिमिक्री की बात सुनकर हमें विश्वास होने लगा है कि बच्चों के खेल हम उम्र में गुदगुदाते हैं। बचपन में बिल्लू भी साथ वालों के घूंसा मारकर भागता था।

दाज्यू, जो होता है होने दो समय कठिन है। सीएम धामी सही कह रहे हैं प्रदेश में 'आनन्द मैरिज एक्ट' लागू होगा। जो नहीं हो सका, सब कुछ होना चाहिये। कलजुग के चरम पर आकाश-पाताल सब एक हो चुके हैं। मुख्य सचिव ने ठोस कूड़ा प्रबन्धन प्रणाली का आदर्श प्लान प्रस्तुत करने को कहा है। कूड़ा फेंकने वालों की फोटो खींच कर भेजने वालों को इनाम भी मिलेगा बल। दाज्यू, एक-दूसरे की फोटो खींचने का प्लान होना चाहिये। वैसे भी सेल्फी का जमाना हुआ। काशीपुर में गुण्डे-बदमाश फैलते जा रहे हैं बल। हथियारबन्द बदमाशों ने हनुमाननगर में शिक्षक यशपाल चौहान के घर घुसकर लाखों की डकैती कर दी। पता नहीं कैसा-कैसा होने लगा है। पौड़ी के बीरोखाल ब्लाक के इण्टर कालेज जोगीमणी के प्रभारी प्रधानाचार्य के कमरे में मिड-डे-मील का साढ़े 5 कुन्टल चावल बरामद हुआ। शिक्षा विभाग के अधिकारी पर शिक्षिका के उत्पीड़न की पोस्ट वायरल हो गई। अधिकारी का कहना है- 'जिस महिला को लेकर मेरे ऊपर आरोप लगाये जा रहे हैं, इसके ऊपर एक विभागीय जाँच होनी है। उससे बचने के लिये यह महिला आरोप लगा रही है।'

दाज्यू, राक्षस्योव की पूछो मत। बागेश्वर से एम्बुलेंस में मरीज को ला रहे चालक ने घुटुक लगा ली बल। शराब के नशे में कौन किसकी सुनने वाला था........मरीज के परिजन निजी वाहन से पीड़ित को ले गये। मरीजों के परिजनों की शिकायत के आधार पर कार्रवाई हुई है। पटरी पार वाले डिग्री कालेज में कैरियर काउंसलिंग सहित क्याप्प-क्याप्प होने लगा है बल। ब्यूटिपार्लर वाली महिला को बुलाकर सम्मान किया गया था। चौबे जी को सांस की बीमारी हो रही है और गलफत सिंह ऑनलाइन पैसे कमाने की बात कर रहा है। दाज्यू, ठण्ड से सिकुड़ रहे कृपाशंकर ने हल्ला मचा रखा है कि पुरानी पेंशन लागू करो। भगवान जाने, क्या होगा। जिन्दगी के मजे के लिये क्या नहीं कर रहे हैं लोग। कृपाशंकर को भी कर लेने दो हल्ला।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

हल्दूचौड़ महाविद्यासलय में देवभूमि उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना की जाएगी

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना की शुरुआत प्रत्येक महाविद्यालय में प्रारम्भ हो गई है इस योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उच्च शिक्षा विभाग के प्राध्यापकों को दी गई है। यह योजना भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से चलाई जा रही है। इस योजना के तहत शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार व उद्यमिता कौशल सम्वर्धन के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत 6 दिनों का फैकल्टी मैटर डेवलपमेंट प्रोग्राम अहमदाबाद में आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ. विपिन चन्द्र जोशी ने प्रतिभा किया था, उन्हें देवभूमि उद्यमिता केन्द्र का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। डॉ. विपिन जोशी ने बताया कि इस योजना के तहत स्थानीय युवाओं को उधमिता से जोड़ने युवाओं एवं जनमानस को रोजगार उपलब्ध कराने, सामुदायिक विकास की अवधारणा को सफल बनाने, प्रशिक्षण कार्यक्रम को संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के प्रोग्राम कोआर्डिनेटर डॉ. अमित द्विवेदी, कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ. सुमित कुमार एवं निमिता पाण्डे द्वारा उधमिता से सम्बन्धित विषयों जैस एंटरप्रेन्योरशिप तथा एंटरप्रेन्योरशिप एजुकेशन साइंस एंड टेक्नोलाजी एंटरप्रेन्योरशिप स्टार्टअप इकोसिस्टम आदि विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। प्रशिक्षण के दौरान उत्तराखंड के स्थानीय लोगों युवाओं और विद्यार्थियों में प्रतिभा व कौशल विकास करने के तरीकों के सम्बन्ध में व्यवहारिक जानकारी दी गई इस योजना के अन्तर्गत लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ में जागरूकता अभियान, बूट कैम्प, प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि का आयोजन देवभूमि उद्यमिता केन्द्र द्वारा किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.अंजू अग्रवाल ने बताया कि उत्तराखण्ड में उद्यम सम्भावित क्षेत्र जैसे पर्यटन, आयुर्वेद, जड़ी बूटी, फूड प्रोसेसिंग इत्यादि के उद्योग स्थापना हेतु प्रोत्साहित किए जाने पर स्वरोजगार की सम्भावनाएं बढ़ेगी।

उज्याव भाषा...

प्रथम पृष्ठ का शेष

सम्मेलन में दूर दराज पहाड़ के कौने-कौने से आए छोटे-छोटे बच्चों में अपनी दुदबोली के प्रति मोह दिखाई दे रहा है, इनका यह जोश रंग लाएगा। अंत में कुमाउंनी कवि सम्मेलन में युवा कवि काव्य पाण्डे, कमल हर्षवर्धन जोशी, पूजा पाण्डे, गीता जोशी, भुवन सुयाल, रिचा जोशी, अमीता प्रवीण, विद्या महतोलिया, बीना भट्ट आदि ने काव्य पाठ किया। आयोजक समिति के श्रीमती सोनू उप्रेती ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। आयोजन समिति में संरक्षक तारा पाठक सहसंरक्षक सोनू उप्रेती, संस्था के अध्यक्ष दीपक सिंह भाकुनी, उपाध्यक्ष ललित तुलेरा, सचिन धर्मेन्द्र पाण्डे, कोषाध्यक्ष त्रिवेन्द्र जोशी, प्रभारी दीपक व सहयोगी उपस्थित थे।

गढ़िया को मिलेगा आर्दश विधायक सम्मान

बागेश्वर। कपकोट के विधायक सुरेश गढ़िया को भारतीय छात्र संसद ने राष्ट्रीय आदर्श युवा विधायक सम्मान 2023 के लिए चुना है। विधायक गढ़िया 10 से 12 जनवरी तक पुणे के एमआईटी वर्ल्ड पीस विश्वविद्यालय में होने वाले कार्यक्रम में भागीदारी करेंगे, जहाँ उन्हें यह सम्मान दिया जायेगा। आयोजकों की ओर से विधायक को भेजे गए पत्र के बाद से भाजपा संगठन के तमाम पदाधिकारियों व नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। कपकोट क्षेत्र व बागेश्वर विधायक सुरेश गढ़िया को बधाई देते हुए क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता जताई है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

संस्कृति

शौकाओं के सूखे खाद्य पदार्थों की स्वादिष्टता

जगदीश बृजवाल

सूखा खाद्य पदार्थ- अनाज, सब्जी, फल, दूध व इससे बनी चीजें, मांस को सुखाकर सुरक्षित, संरक्षित करने का प्रचलन मानव का प्राचीन कालीन पद्धति है। यद्यपि सूखे खाद्य पदार्थ में कुछ पोषण तत्वों की कमी आ जाती हैं किन्तु इसमें अन्य पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा अवशिष्ट रहता है। सूखा खाद्य पदार्थ आज भी लोगों के व्यंजन का हिस्सा हैं।

किसी भी क्षेत्र, राज्य, देश की भौगोलिक बनावट, स्थिति, परिस्थिति का वहाँ के निवासियों के जीवन पर प्रभाव डालता है। जैसी भौगोलिक स्थिति वैसा ही वहाँ के निवासियों का रहन-सहन, बेश-भूषा, खान-पान तथा संस्कृति-सभ्यता पर भी प्रभाव पड़ता है।

शौका समुदाय के लोगों का घुम्मकडी प्रवृत्ति, व्यवसाय- व्यापार, पशुपालन के चलते मौसम के अनुसार प्रवास बदलते रहना और उसी अनुरूप अपने रहन-सहन, खान-पान, बेश-भूषा के तरीकों को भी इजाद कर लियौ चलते-फिरते जीवन निर्वहन स्थित में ताजा खाद्य पदार्थ सब्जी जैसे चीज के मिलने की सम्भावना तो कम ही रहती होगी, जिस कारण शौकाऔ ने बहुतायत में सुखे खाद्य पदार्थो का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। सुखाने की कला का हुनर में भी दक्ष हो गये थे। सुखाने की विधि तथा स्वादिष्ट ब्यंजन कला में पूर्व जोहार की शौक्यानियों का क्या कहना। हर सूखे खाद्य पदार्थ को सुखाने की विधि पूर्ण रूप से वैज्ञानिक विधि लगता है।

अनाज में- धान, मडुवा, जौं पल्ती, फांपर आदि अनाजों को सुखाकर विधिपूर्वक तैयार करना, भूने हुए अनाज, भूनी हुई आटे को लम्बे समय तक सुरक्षित, संरक्षित करते थे जिसमे सत्तू, (भूना हुआ आटा) ज्या (नमकीन चाय) को लगभग सुबह-साम नास्ता के रूप में रोज खाते-पीते थे। सत्तू को विशेष परास्थितियों में नास्ता कम भोजन के रूप भी लिया जाता था।

सत्तू को बनाने की विधि- सत्तू गेहूं, मडुवा,जौं का बनाया जाता है। साफ स्वच्छ बीज को पानी में निश्चित समय अवधि तक भिगोकर पानी रहित कर देते है तब बड़ा-सा तसला (लोहे की बड़ी सी कढ़ाई) में भीगे बीजों को भूनने की प्रक्रिया किया जाता है. तब घराट (पनचक्की) से बारीक पीसकर आटे के रूप में संरक्षित करते है।

शौका लोग ज्या-सत्तू , खाज् (भूना हुआ चावल) का नास्ता करते हैं खाज (भूना आटा) को ज्या में भिगोकर खाया जाता है।

ज्या बनाने की विधि- पतेली में घी, नमक ल्वेटा (थुनेर के छाल को बारीक पीसकर चायपत्ती) पानी का मिश्रण मात्र के अनुसार करते हैं तब भकोने में उबालकर फिर दुमका (बेलनाकार लकड़ी के खोखला बनाया वस्तु) में गर्म ज्या को खोखले लकड़ी में उड़ेलकर मथनी से कुछ देर मथा जाता है और ज्या बनकर तैयार हो जाता है।

खाज पदार्थ (भूना चावल) खजिया धान (विशेष किस्म का धान) से तैयार किया जाता है तथा च्यूरिया खाज भी धान से ही तैयार किया जाता है। विधि- खजिया धान को एक-दो दिन पहले ही साफ स्वच्छ कर भिगो दिया जाता है तब दाने फुटकर अंकुरित होने की स्थिति में भुनकर ओखली में कुटकर भूसा अलग साफ कर तैयार हो जाता है।

च्यूरिया खाज को भी भीगकर ही बड़ा सा तसला (चोडी कढ़ाई) में पुनदरी (दो फीट पतली छड़ी के एक सिरे में कपड़े को लपेटकर गोल बॉल नुमा बनाना) से बीजों को चलाया जाता है गर्म धान को ही ओखली में कुटते है धान के सभी दाने चपटी हो जाता है। दोनों खाज् को भूनने का तरीका एक सा है तथा भूसा अलग कर तैयार हो जाता है।

शौका लोग खाज को ज्या में भीगोकर खाते है विशेष अवसरों पर भी लोगों को आमंत्रित कर दावत देते है।

कुमाऊँ, गढ़वाल में भी खाज बनाने का प्रचलन है चेत मास में भेटोली में विवाहिताओं को भेंट भी करते हैं।

दूध (दूध से बने पदार्थ) से भी कई खाद्य पदार्थ बनायी जाती है। जोहार में भी चंवर गाय का छिरपी (दूध को फडाना, तथा पानी को छानकर पनीर को छोटे-छोटे टुकड़े कर सुखाकर ठोस रूप में तैयार करते हैं। (जिसको लम्बे समय तक सुरक्षित, संरक्षित रक्खा जा सकता है।

सब्जी खाद्य पदार्थ जिसको जोहारी लोग अत्यधिक मात्रा में सुखाते थे। जिसकी आवश्यकता भी अधिक ही रहती थी, जैसे-गोबी, राई, मूली, फांफर, पल्ती, मीठी करेला, मानिपापड़ (अरबी के पत्ते व डंठल) गोया (जंगली अरबी के पत्ते सिर्फ डंठल) आदि।

विधि- पूर्ण रूप से निर्जलीकरण, शुष्कता रहित कर दिया जाता था तथा अलग-अलग तरीके से व्यंजन बनाने की विधि से भी वाकिफ थे।

सब्जी मानिपाड (अरबी के पत्ते) की स्वादिष्टता, बनाने की विधि- लाल चावल (पहाड़ी चावल) के गरम मान में नमक, मिर्च, अन्य मसाला का मात्र के साथ सही मिश्रण के बाद घी, तेल में जिम्बू (धुंर) का छोंक लगाकर तैयार हो जाता है अत्यधिक स्वादिष्ट तरकारी बन जाता है। पूर्व में जिसने भी इसे खाया होगा उसे आज तक अवश्य स्वाद की स्मृति होगी।

त्यमूर (तिमूर) एक औषधियुक्त गुणकारी जंगली फल है, जिसके ठोस बीज व बाहरी छिलके उपयोग में लिया जाता है त्यमूर के बाहरी छिलके का तरकारी (सांग) या सुप के रूप में उपयोग करते थे। जिसमें अत्यधिक ऊष्मा रहती है शौका लोग केवल शीतकालीन मौसम में ही इसका उपयोग करते हैं बनाने की विधि- त्यमूर का बाहरी छिलका जितनी मात्रा में तरकारी बनाया जाता है उसी के अनुसार नामक, मिर्च, हल्दी, धनिया, लहसुन आदि के साथ त्यमूर को भी बारीक सिल बट्टे में पीसना पड़ता है पहाड़ी घी में प्याज टमाटर, को भूनकर कुछ देर तक सभी का मिश्रण कर थोड़ी देर भून दिया जाता है तब तरकारी तैयार हो जाता है। त्यमूर के साग बनाने अति सावधानी बरतनी पड़ती है जिसमें झंनझनाहट रहता है जिस कारण अन्य जन इसका प्रयोग, उपयोग नहीं सके हैं।

सूखा मांस- भेड़-बकरियों का मांस सुखाने का प्रचलन जाहारियों में परम्परागत है मांस को पूर्णरूप से निर्जलीकरण कर बेक्टरिया, फंगस, खमीर रहित किया जाता है यद्यपि सुखाने से कुछ पोषक तत्व नष्ट हो जाता है किन्तु फिर भी भरपूर आयरन, जिंक, विटामिन -12, प्रचूर मात्र में रहता है।

सुखाने की विधि- मांस के छोटे-छोटे टुकड़े बनाकर एक या दो दिन तेज धूप में सुखाकर धागे में माला के रूप में पिरोये जाता है। तब लगभग एक फिट या डेढ़ फिट लम्बी क माला बनाया जाता है फिर घर के बाहर दिवार, छज्जा में शुष्कता रहित बनाने के लिए हवा सुखाने के लिए लटकाया जाता है। जिसकी सुरक्षा भी की जाती है जानवर, चिड़ियों से बचाव भी करनी पड़ती है ठोस हो जानें की स्थिति में माला सहित मांस को घर के अन्दर सुरक्षित रक्खा जाता है जो शीत कालीन ऋतु से फरवरी मार्च तक उपयोग करते थे। आज भी शौका बहुल गाँवों में कुछ खाद्य पदार्थों को लोग सुखाते भी है.

व्यंजन के रूप में तैयार करना तथा अलग-अलग स्वाद व स्वादिष्ट बनाने के लिए सुखे मांस को गोबी, मूली, आलू में भी मिश्रण कर भी स्वाद स्वादिष्टता बदलाव आ जाता है तथा मसला- धनिया, जीरा, लहसुन, आदि सिलबट्टे में बारीक पीसा जाता है खाद्य तेल में प्याज-टमाटर को भूनकर सभी के मिश्रण के बाद सुखा मांस डालकर पकाकर तैयार हो जाता है। सूखा गीमा-अर्जी भी अन्य स्वादिष्ट व्यंजन है, जिसे शौका लोग बनाना व खाना भली-भांति जानते हैं।

आधुनिक समय में भी डिब्बाबन्द या खुला, सूखा खाद्य पदार्थ लोगों के व्यंजन का हिस्सा अवश्य बनता हैं। जोहार शौका लोग अब एक ही स्थान पर स्थाई निवास करते है। समय के अनुसार अब सूखे खाद्य पदार्थ की आवश्यकता भी उतनी नहीं है जिससे शौका लोग सुखा खाद्य पदार्थ उपयोग नहीं के बराबर करते हैं, जो संस्कृति व अस्मिता भी थी। अब सिर्फ विरासती स्मृति को लिपिबद्ध कर भविष्य की पीढ़ी को बताया जा सकता है। ऐसे हमारे पूर्वज का किये गये कार्य जो हमसे दूर होते जा रहा है उसे भी संजोये रखना अति आवश्यक है।

सुवा तेरि याद

भ्यार फुलफटकन रात
जूंन चम्मकन खिलि रै
टिमटिमान तार् नेलि घेरी रै
बतूं मायदार मनैकि बात
देखि ऊनन सुवा,
ऊणै तेरि याद सुवा ऊणै तेरि याद।
तु लकत जूंनै छै
जैकि ऊलि मैं ज्यून छूं
तेरि चमकैकि वीले तो
यो मन में उज्याव छू
रौशन छु मायाकि बात,
ऊणै तेरि याद सुवा ऊणै तेरि याद।
मैं टिमटिमानै तारै सही
त्यार है भौत दूरै सही
ज्यून छूं तेरि आसिलि
चलि रैयू तेरि मायलि
जाणि लियें धुपधुपि हियै बात,
ऊणै तेरि याद सुवा ऊणै तेरि याद।
यो जुन्याली रात कदू भलि छाजि रै
सब तेरी तारीफ करना-
ल्है जांछी जब तू बिराण मुलुक ही
फिर लै टिमटिमाना रूना अन्यारिन रात
त्यार जासा नै हांल्यू फिर लै छु कुछ बात,
ऊणै तेरि याद सुवा ऊणै तेरि याद
तू सदा खिलि रैए पुन्यूं बणी रैए
हमारत किछु टिमटिमाणै में रैयां
दूरै सही धुपधुपाणै में रैयां
यो धुपधुपि दिल त्यारै तै तो धड़कणौ
माय ज्यून रूं सदा ,यो तो बतूंणो
दमकी रवौ अमूसैकि लै रात, ऊणै तेरि याद सुवा ऊणै तेरि याद।

-दीवान सिंह कठायत

ज्योतिष की बातें - 159

7 जनवरी 2024 को बुध धनु राशि में प्रवेश करेगा, वहाँ पर गुरु की शुभ दृष्टि भी होगी। इसके पूर्व 2 जनवरी 2024 को बुध मार्गी भी हो चुका है। अतः बुध अत्यन्त शुभ फलदायक रहेगा। बुध बुद्धि, स्मरणशक्ति, व्यापार, वाणिज्य, गणित, लेखनकार्य, संचार साधन, मामा, वाणी आदि का कारक होता है। फलदीपिका के अनुसार बुध 2, 4, 6, 8, 10 व 11 वें स्थान पर शुभ फल देता है इसलिए अगले 24 दिन वृश्चिक, कन्या, कर्क, वृषभ, मीन व कुम्भ राशि के जातकों को बुध अपने कारक विषयों में अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा।

यह नितान्त स्थूल फल है व्यक्ति विशेष के लिए सूक्ष्म विवेचन जन्मकुण्डली आदि के अनुसार होता है।

ईसाई नववर्ष- सोमवार 1 जनवरी को ईसाई नववर्ष 2024 प्रारम्भ होगा लेकिन इस दिन का मेरे विचार से ईसा मसीह के जन्म से कोई सम्बन्ध नहीं है क्योंकि परम्परा से ईसा मसीह का जन्म 25 दिसम्बर 4 ईशा पूर्व माना जाता है। फिर भी इस नव वर्ष 2024 के लिए सभी ईसाई बन्धुओं को शुभकामनाएँ।

शुभं भवतु !! **-ओंकार नाथ कोष्टा**
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 50

एमआरपी का खेल

एमआरपी अर्थात् अधिकतम खुदरा मूल्य। सरकार ने प्रत्येक वस्तु पर अधिकतम खुदरा मूल्य छापने का नियम बना दिया है। इस कारण बाजार में प्रत्येक वस्तु पर एमआरपी छपा रहता है। लेकिन इसके साथ तरह-तरह के प्रोत्साहन भी होते हैं। जैसे- 10 प्रतिशत डिस्काउंट, 50 प्रतिशत डिस्काउंट, और 80 प्रतिशत तक डिस्काउंट। साथ में एक के साथ एक फ्री, एक के साथ दो फ्री, बाय टू गैट फाइव आदि आदि। जब इतना अधिक डिस्काउण्ट और फ्री देना ही है तो एमआरपी इतना अधिक छापने की क्या आवश्यकता है? वास्तव में इस प्रकार एमआरपी छापने के सरकारी नियम का मखौल उड़ाया जाता है। यह सब बन्द होना चाहिए।

दूसरा, वस्तुओं के मूल्य अजीबोगरीब तरह के रखे जाते हैं, जैसे- 99 रुपये, 399 रुपये, 9999 रुपये अथवा 195 रुपये, 9995 रुपये। यह 95 और 99 का भी खेल प्रतिबन्धित किया जाना चाहिए। इससे जनता को भ्रम और असुविधा होती है।

इसके साथ ही पिघलता हिमालय साप्ताहिक समाचार पत्र में 'सम्यक् विचार' नामक स्थाई स्तम्भ में मेरा यह 50 वाँ भाग पूर्ण हो रहा है। इस स्तम्भ में मैंने अपने राजनीतिक, टेक्निकल, ज्योतिषीय, स्वास्थ्य, सामाजिक, धार्मिक आदि सभी प्रकार के विषयों पर अपने विचार प्रकट किए हैं। इसके लिए समाचार पत्र के पाठकों और सम्पादक महोदय को धन्यवाद देना चाहता हूँ। मेरे विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है लेकिन जिन्होंने मेरे विचार पसन्द किए हैं उन्हें इन विचारों का प्रचार प्रसार करना चाहिए। इसी प्रकार समसामयिक विषयों पर मैं आगे भी अपने विचार प्रकट करता रहूँगा ।

-सरल

विज्ञापन संदेश के रूप में सहयोगी बनें

पिघलता हिमालय आपकी अपनी आवाज

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

हॉटमिक्स प्लांट को लेकर भड़के

भवाली/गरमपानी। अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाईवे पर स्थित छड़ा गाँव के समीप हॉटमिक्स प्लान्ट शुरु किए जाने को लेकर ग्रामीण भड़क चुके हैं। उन्होंने नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि इस प्लान्ट से निकलने वाले जहरीले धुंए से पूरे इलाके में हरना दुश्वार हो रहा है। प्रदर्शन करने वालों में व्यापार मण्डल अध्यक्ष दीवान सिंह बिष्ट भी मौजूद थे।

शुरु किया भवनों का मूल्यांकन

लोहाघाट। वित्तीय स्थिति सुधारने के लिये नगर पालिका ने नगर के भवनों का पुर्नमूल्यांकन शुरू कर दिया है। नए भवनों से कर वसूली कर पालिका की आर्थिकी स्थिति सुधारी जाएगी। एसडीएम और पालिका प्रशासक ने बताया कि लम्बे समय से पालिका क्षेत्र के भवनों का पुर्नमूल्यांकन नहीं हो पाया था।

निजीकरण हुआ तो विरोध करेंगे

रुद्रपुर। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन का प्रान्तीय अधिवेशन बस स्टेशन पर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 11 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद कहा गया कि सरकार यदि परिवहन निगम का निजीकरण करती है तो विरोध किया जायेगा। यूनियन के प्रान्तीय अध्यक्ष कमल पपनै ने सातवें वेतनमान की सिफारिशों के आधार पर एसीपी की व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई।

बरेतिया तालेश्वर सड़क शिलान्यास

अल्मोड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों को सड़क की सुविधा से जोड़ने के क्रम में सल्ट में भी कार्य हो रहे हैं। विधायक महेश जीना ने विकासखण्ड स्याल्दे के बरेतिया शिव मन्दिर तालेश्वर सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास करते हुए यह बात कही। कहा कि सड़क निर्माण होने से लोग पौराणिक शिव मन्दिर तालेश्वर तक आसानी से जा सकेंगे। यह छठी शताब्दी का मन्दिर है जो केदारनाथ से पहले का बना हुआ है।

आवार मवेशियों का घर बनेगा

भवाली। शासन-प्रशासन आवारा मवेशियों से निजात दिलाने के लिये चोरगलिया के बाद अब भवाली में भी गोशाला की तैयारी में है। गोशाला के लिए प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। नगर पालिका बोर्ड ने फरसौली में 5 नाली सरकारी भूमि पर गोसदन बनाने का प्रस्ताव बनाया था। इसमें 25 निराश्रित पशुओं को रखने के लिये 2.30 करोड़ का प्रस्ताव बनाया था। तीन सरकारी विभागों से तकनीकी मंजूरी दिलाने के बाद नैनीताल डीएम के द्वारा शासन को प्रस्ताव भेजा गया। शासन ने इसे मंजूर किया है। अब स्थलीय निरीक्षण और पालिका के जरूरी औपचारिकताओं के बाद आवार मवेशियों के लिये गोसदन बन सकेगा।

गेवाड़ घाटी में प्राचीन नगर की खोज के लिये खोदाई प्रस्ताव

चौखुटिया/द्वाराहाट। लोककथाओं गाथाओं में गेवाड़ घाटी का उल्लेख तो मिलता ही है, अब इसमें प्राचीन शहर की खोज के लिये खोदाई का प्रस्ताव बनाया गया है। घाटी के चौखुटिया में एक प्राचीन नगर धरती में दफन होने का अनुमान है। भारतयी पुरातत्व सर्वेक्षण ने इसका खुलासा भी किया है। एएसआई ने यहाँ उत्खनन कर प्राचीन शहर का पता लगाने के लिये प्रस्ताव तैयार किया है। अब उत्खनन के बाद पता लग पायेगा कि यहाँ बसा शहर किस सदी और सभ्यता का रहा है। पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का मानना है कि रामगंगा नदी किनारे प्राचीन नगर मौजूद था।

बताया जा रहा है कि वैज्ञानिक तरीके से उत्खनन कार्य में चार साल तक का समय लग जायेगा। ऐसा इसलिये क्योंकि कुछ खोदाई के बाद बहुत ही सावधानी से खोदाई की जाती है कि नीचे जिस शहर या वस्तु की तलाश की जा रही है उसे क्षति न पहुँचे। बताया जा रहा है कि काशीपुर के गोविशाण टीले की भी खोदाई कार्य होगा।

आदिकैलास के हवाई दर्शन की तैयारी

दिल्ली/हल्द्वानी। आदि कैलास और ऊँ पर्वत को लेकर धार्मिक यात्रा के अलावा पर्यटन की दृष्टि से बड़ा फैसला हुआ है। कुमाऊँ मण्डल विकास निगम और पर्यटन विभाग इन दोनों जगहों पर हवाई दर्शन कराने की तैयारी कर रहे हैं। यात्रा दिल्ली से पिथौरागढ़, पिथौरागढ़ से ओम पर्वत, आदि कैलास तक होगी। रुद्राश एविएशन के साथ पर्यटन विभाग एमओयू के साथ यह कार्य को आगे बढ़ाएगा।

केएमवीएन के एमडी डॉ.संदीप तिवारी बताते हैं कि पर्यटन को बढ़ावा देने और उच्च आय वर्ग को ध्यान में रखते हुए निगम और पर्यटन विभाग आदि कैलास और ओम पर्वत के हवाई दर्शन कराने पर विचार कर रहा है। सर्वे सफल रहा है। पर्यटन सचिव को रिपोर्ट सौंपने के साथ ही हवाई मार्ग से दर्शन का किराया जय किया जायेगा।

बताया जा रहा है कि दिल्ली से एमआई 17 हेलीकॉप्टर 18 यात्रियों को लेकर पिथौरागढ़ पहुँचेगा यहाँ एक दिन स्टे के बाद पर्यटकों को घुमाया जाएगा। फिर हेलीकॉप्टर आदि कैलास, ओम पर्वत को दर्शन कराने के लिये उड़ान भरेगा। पिथौरागढ़ में ठहरने के बाद वापस दिल्ली के लिये उड़ान होगी।

मणकनाली-सुरखाल सड़क जल्द बने

गंगोलीहाट। लम्बे आन्दोलन के बाद भी मणकनाली-सुरखाल सड़क का कार्य न होने से क्षेत्रवासी गुस्से में हैं। उनका कहना है कि दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीण हमेशा से ठगे जाते रहे हैं। बच्चों को आने-जाने तक की सुविधा नहीं है। बीमारों को अस्पताल जाने तक का सहारा नहीं है। जन प्रतिनिधि और तमाम अधिकारियों को चेताया जाता रहा लेकिन दस हजार की आबादी वाला यह क्षेत्र अभी तक प्रभावित है।

बताते चलें कि इस सड़क के लिये चमलेख, कोलिया, गानुरा, बहेलकोट, गंतोला, अनरगांव, तल्ला खोलिया, मल्ला खोलिया के ग्रामीणों ने लम्बे समय से मांग उठाने के अलावा 151 दिन क्रमिक अनशन फिर सप्ताह भर आमरण अनशन किया था। आश्वासन के बाद इन्हें मनाया गया लेकिन अभी सड़क का इन्तजार है।

एसएसबी स्थापना दिवस की धूम

रानीखेत। सशस्त्र सीमा बल, सीमान्त मुख्यालय रानीखेत में बल का स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि अमित कुमार महानिरीक्षक सीमान्त मुख्यालय को सर्वप्रथम गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। महानिरीक्षक ने परेड का निरीक्षण करते हुए उपस्थित सभी अधिकारी, जवानों एवं उनके परिवार जनों को बल के स्थापना दिवस की बधाई दी। कहा कि बल व सीमान्त रानीखेत की ओर से देश सेवा में महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं।

महानिरीक्षक की ओर से सीमान्त मुख्यालय के बल के लिये उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कार्मिकों को 4 महानिदेशक गोल्डन डिस्क और 27 अधिकारी/जवानों को महा निदेशक सिल्वर पदक से नवाजा गया। इस अवसर पर परमजीत सिंह सलारिया, परीक्षित बोहरा, संजीव यादव, डॉ.ओबी सिंह, उप महानिदेशक राजेश कुमार, डा.एस.एन. सिंह कमाण्डेंट, राम कुमार द्वितीय कमान अधिकारी मौजूद रहे।

जन्मदिन पर गंगासिंह ने कम्बल बांटे

थल। क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता गंगा सिंह मेहता ने अपने ज्येष्ठ सुपुत्र डॉक्टर गौरव मेहता के जन्म दिवस पर गरीब परिवारों के 96 लोगों को गर्म कम्बल वितरित किये। इस अवसर पर प्रमोद उपाध्याय, हीरा सिंह चुफाल, जगदीश चन्द्र जोशी, मदन उपाध्याय, नवराज भैसोड़ा, दान सिंह बिष्ट, दीपक भैसोड़ा, सुनील सत्याल समेत कई लोग थे।

उल्लेखनीय है कि समाजसेवी गंगा सिंह मेहता थल व आसपास होने वाले सामाजिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शुरु से ही अपना योगदान देते रहे हैं। व्यापार मण्डल में होने के नाते भी व्यापारियों की समस्याओं व क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों पर न्याय दिलाने के लिये अग्रणीय हैं। सुपुत्र के जन्म दिवस पर उनके द्वारा कम्बल वितरण की पहल का सभी ने स्वागत करते हुए कहा है कि शुभ अवसरों पर ऐसा ही किया जाना चाहिये।

गदरपरु-दिनेशपुर-हल्द्वानी मार्ग बनेगा

रुद्रपुर। केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने केन्द्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की। इस दौरान उन्होंने केन्द्रीय सड़क अवस्थापना योजना के तहत गदरपुर-दिनेशपुर-मटकोटा-हल्द्वानी सड़क मार्ग को स्वीकृत करने का अनुरोध किया। जिस पर केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने तत्काल पत्र पर ही आदेश जारी करते हुए अधिकारियों को भी तत्काल सड़क स्वीकृत करने के निर्देश दिये। केन्द्रीय राज्यमंत्री भट्ट ने केन्द्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री को बताया कि केन्द्रीय सड़क अवस्थापना निधि के तहत ऊधमसिंह नगर के गदरपुर दिनेशपुर-मटकोटा-हल्द्वानी मोटर मार्ग में 16 किमी सड़क सुधारीकरण पुर्ननिर्माण कार्य के लिए 42.96 करोड़ की लागत से प्रस्तावित है। केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री मंत्री भट्ट ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने तत्काल पत्र पर ही निर्देश लिखते हुए सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को भी मौके पर ही निर्देशित करते हुए तत्काल सड़क को स्वीकृत करने के निर्देश दिये। कहा इस निर्माण से काफी राहत होगी।

बंड मेले में चक्रव्यूह मंचन पर उमड़े

गोपेश्वर। बंड विकास मेले में चक्रव्यूह मंचन देखने के लिये भारी संख्या में लोग उमड़े। गुप्तकाशी से आए लोक संस्कृति कर्मी आचार्य कृष्णानन्द नौटियाल व उनकी टीम ने चक्रव्यूह का मंचन किया। इस दौरान मुकेश हटवाल व अर्चना सती की प्रस्तुति पर लोग भावविह्वल हो उठे।

चापड़ में कमलव्यूह का मंचन

रुद्रप्रयाग। तल्लानागपुर क्षेत्र के चापड़ गाँव में चल रहे पाण्डव नृत्य में कमल व्यूह का मंचन किया गया। इसमें अर्जुन ने जयद्रथ को मार कर प्रतिज्ञा पूरी की। इस दौरान दूरदराज से दर्शक पधारे। महाभारत युद्ध में चक्रव्यूह में अभिमन्यु की हत्या के बाद अर्जुन प्रतिज्ञा लेते हैं कि सूर्य अस्त होने से पूर्व वह जयद्रथ का वध करेंगे। जयद्रथ की सुरक्षा के लिये गुरु द्रोणाचार्य कमलव्यूह की रचना करते हैं। कृष्ण की माया से अर्जुन अपनी प्रतिज्ञा में सफल होते हैं।

परिक्रमा

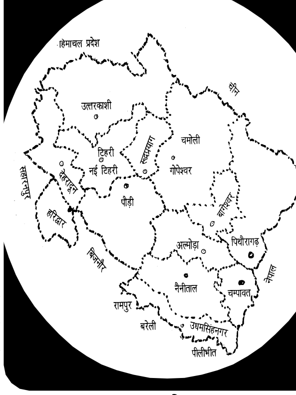

पाडुली में पांडव लीला को लेकर उत्साह

गौचर। सिदोली क्षेत्र की ग्राम सभा गैथी के पाडुली गाँव में 35 वर्षों बाद हुई पाण्डव लीला को लेकर भारी उत्साह देखा गया। पाण्डव लीला के आयोजन के संचालक राकेश राणा व अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राणा की अगुवाई में ध्याणियों व प्रवासियों के पाडुली गाँव की ओर से रुख करने से काफी चहल-पहल रही।

बधाण की नन्दादेवी कुरूड़ रवाना

थराली। नन्दादेवी राजराजेश्वरी भगवती के जयकारों के साथ बधाण की नन्दादेवी की उत्सव डोली को नन्दा सिद्धपीठ देवराड़ा मन्दिर के गर्भगृह से विधानपूर्वक बाहर निकाला गया, जो कुरूड़ के लिये रवाना हुई। गर्भगृह से डोली को निकाल कर भक्तों के दर्शन के लिये रखा गया, इसके बाद विदाई समारोह में महिलाओं ने देवीस्तुति की। कथावाचक राधिका जोशी ने नन्दा देवी के भजन एवं गीत भी प्रस्तुत किये।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नव वर्ष २०२४ की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

अशोक गर्ब्याल
असि.कमिश्नर
सेलटैक्स
बागेश्वर

मंगल सिंह जंगपांगी
व्यवसायी
रस्वती शिशु मन्दिर के पास
मुनस्यारी

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

घर से बाहर घर का सा
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

पूर्ण कालिक संगीत प्रशिक्षण केन्द्र
हिमालय संगीत शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)